The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 4 | Issue 2 | February 2026
ISSN: 2583-973X (Online), SJIF IF: 5.6
Website: www.theacademic.in

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना बी०पी०एल० परिवार के लिए एक सशक्त पहल एक लेख

सोनू देवी (शोधार्थी)

(गृह विज्ञान), डॉ० भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

Email ID-sonuopyadav05011994@gmail.com

डॉ० सुनीता त्रिपाठी (शोध निर्देशिका)

असिस्टेन्ट प्रोफेसर गृह विज्ञान विभागए किशोरी रमणमहिला महाविद्यालय मथुरा

Email ID- mishrasunita@gmail.com

DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.18976317

ARTICLE DETAILS

Research Paper

Accepted: 25-02-2026

Published: 10-03-2026

Keywords:

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, बी०पी०एल० शसक्त पहल एल०पी०जी०

ABSTRACT

भारत में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में भोजन पकाने के लिए महिलाएं ईंधन के रूप में लकड़ी, कोयला, गोबर की उपली, चारकोल, किरोसिन तेल, पयाली अन्य कृषि अपशिष्ट बायोमास ईंधन का प्रयोग करके खाना बनाती थी। महिलाओं को इस कठिन कार्य से बचाने के लिए उन्हे स्वस्थ और शसक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी ने इस योजना की शुरूआत की। भारत में वर्ष 2014 तक लगभग 10 करोड़ परिवार स्वच्छ एल०पी०जी० कनेक्सन से वंचित था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस योजना के तहत बी०पी०एल० परिवार को स्वच्छ और सुरक्षित रसोई ईंधन उपलब्ध करवाकर अन्तरिक वायु प्रदूषण कम करने और महिलाओं को स्वस्थ एवं सशक्त बनाने का कार्य किया है। इस अध्ययन के परिणाम स्वरूप बी०पी०एल० परिवार की महिलाओं की स्वस्थ एवं सशक्त बनाने में यह योजना कारगर साबित हुई है।

प्रस्तावना –

01 मई 2016 को उत्तर प्रदेश राज्य के बलिया जिले से प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से इस योजना का शुभारम्भ हुआ। यह योजना गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली महिलाओं के लिए चलाया गया। यह योजना उन महिलाओं के लिए है जिनकी उम्र 18 वर्ष के ऊपर है। प्रारम्भ में 5 करोड़ बी०पी०एल० परिवारों को बिना अग्रिम राशि के एल०पी०जी० कनेक्सन दिया गया। जिसमें एल०पी०जी० कनेक्सन पाने के लिए सिलेण्डर रेग्यूलेटर पाइप, उपभोक्ता कार्ड और कनेक्सन लगाने के शुल्क था। इस योजना के तहत 1600 रू0 की

आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। लाभार्थी को पहले सिलेण्डर के लिए ऋण देने का भी विकल्प दिया गया। लगभग 6.24 करोड़ परिवारों ने ऋण सुविधा का लाभ भी उठाया इस योजना के तहत 800 करोड़ रू० आवंटित किए गए बाद के बजट में 4800 करोड़ रू0 का अतरिक्त प्रावधान करके इस योजना के लक्ष्य को संशोधित करके 8 करोड़ परिवारों को एल०पी०जी० कनेक्सन देने का प्रावधान रखा गया।

इस योजना के लाभार्थी का चयन 2011 के जनगणना के आधार पर किया गया वर्ष 2020 तक बी०पी०एल० श्रेणी के अन्तर्गत आने वाले 7.4 करोड़ परिवार को मुफ्त एल०पी०जी० कनेक्सन दिया गया। इस योजना का संचालन दो चरणों में किया जा रहा है। प्रथम वित्तीय वर्ष 2016 से 2019 तक तीन वर्ष के लिए चलाने के उद्देश्य से प्रस्तावित किया गया था। द्वितीय चरण का संचालन वित्त मंत्री माननीया निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी 2021 को प्रधानमंत्री उज्जवला योजना से सम्बन्धित घोषणा की और बताया कि 1 करोड अन्य बी०पी०एल० परिवारों को एल०पी०जी० कनेक्सन दिया जाएगा और 10 अगस्त 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री उज्जवला योजना का बीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए उ०प्र० के महोवा जिले से शुभारम्भ किया गया।

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय वर्कले के वैषिक पर्यावरण स्वास्थ के

प्रोफेसर स्मिथ के अनुसार –

पारम्परिक ईंधन के उपयोग से इसमें से निकलने वाले धुए को प्रति घण्टे अन्दर लेना 400 सिगरेट पीने के बराबर है।

विश्व बैंक के एक आकलन के अनुसार–

भारत में लाखों मौते आन्तरिक वायु प्रदूषण और परम्परिक ईधनों के प्रयोग से इनमें से निकलने वाले धुंए के कारण होती है।

योजना लागू करने का उद्देश्य –

1. गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली महिलाओं के स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देना।
2. वयस्क महिलाओं को स्वच्छ ईधन उपलब्ध कराना।
3. पारस्परिक ईधनों से मुक्ति दिलाकर आन्तरिक वायुप्रदूषण को कम करना।
4. पर्यावरण स्वच्छता को बढ़ावा देना।
5. पारस्परिक ईधनों के उपयोग से होने वाली बीमारियों से मुक्ति दिलाना।
6. स्वास्थ एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करना।

इस प्रकार की यह प्रथम योजना है जिसने करोड़ों बी०पी०एल० परिवारों को एल०पी०जी० कनेक्सन दिये। यह कार्यक्रम गरीब महिलाओं को शसक्त बनाने के लिए स्वच्छ ईधन उपलब्ध कराकर पारम्परिक ईधनों के दुष्प्रभावों से मुक्ति दिलाने का कार्य कर रही है। जहाँ एक तरफ महिलाओं के स्वास्थ एवं शसक्तिकरण का सवाल था वही दुसरी ओर इन ईधनों के प्रयोग से इसमें से निकलने वाले धुए से पर्यावरण प्रदूषण पर भी बहुत बड़ा खतरा रहा है। योजना से पूर्व ग्रामीण इलाकों में मिट्टी के चूल्हे पर परम्परागत ईधनों का इस्तेमाल करके भोजन बनाया जाता था जिससे महिलायें अनेक बीमारियों जैसे आँखों में जलन पानी आना, स्वसन सम्बन्धी रोग, टीबी, निमोनिया, अस्थमा, फेफड़ा को कैंसर से ग्रसित रहती थी। गरीब परिवार की महिलाएं अपना ज्यादा समय भोजन पकाने, कालिक लगे बर्तन साफ करने

रसोई घर की साफ सफाई करने में व्यतीत करती थी प्रधानमंत्री उज्जवला योजना ऐसी योजना है, जिसने इन बी०पी०एल० परिवार की महिलाओं को पारम्परिक कार्यों से मुक्ति दिलाने का कार्य किया अब ये महिलाएं समय की बचत करके अन्य कार्यों में भारीदारी ले रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में एल०पी०जी० पंचायत का आयोजन किया जिसमें 104 बी०पी०एल० परिवार की प्रधानमंत्री उज्जवला योजना से लाभान्वित महिलाओं को बुलवाया जो देश के अलग–अलग राज्यों से आई थी उन्होने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होने एल०पी०जी कानेक्सन प्राप्त किया, कैसे एल०पी०जी० कनेक्सन से उनके जीवन शैली में सुधार आया है तथा उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव हुआ है।

कार्यविधि –

शोधार्थी ने यह पत्र द्वितीयक डेटा के आधार पर बनाया है। प्रस्तुत लेख में शोधार्थी ने जानकारी एकत्र करने के लिए ऑनलाइन स्रोत– गुगल स्कौलर, रिसर्च गेट, पब्लिक शोध पत्र प्रयोग किया है।

निष्कर्ष –

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के गरीब, वंचित, पिछड़े, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति को मुख्य धारा में लाने के लिए अनेकनेक कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। उन सभी योजनाओं में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना क्रन्तिकारी साबित हुई है। भारत के ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को धुंए से छुटकारा दिलाने स्वास्थ की रक्षा करने उन्हे सशक्त बनाने में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना बेहतर ढ़ग से कार्य कर रही है। इस योजना के कार्यन्वयन से महिलाओं के स्वास्थ में एवं कार्यप्रणाली में परिवर्तन हुआ है। उन्होने समय की बचत करके स्वयं को अन्य कार्यों को करने के लिए सक्षम किया है।

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना ने देशभर में सामाजिक बदलाव लाया है। यह योजना महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशामे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। किसी भी सरकार का उत्तरदायित्व होता है कि गरीब वंचित परिवार की समस्याओं का समाधान करने का सम्भव प्रयास करें।

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना एक अभियान के रूप में चलाई जा रही है। यह योजना महिलाओं के शक्तिकरण में कारगर साबित हुई है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना द्वारा दिए गए एल०पी०जी० कनेक्सन से लाखों मौतों को रोका जा सकता है। इस योजना से देश के करोंड़ो महिलाओं के जीवन में सुधार हुआ है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

- PMUY : Home https://share.google/nwJgX6jP420DMHHzx
- Pradhan Mantri Ujjwala Yojana https://share.google/dzhyt5ZDHC91AAGR8
- myscheme.gov.in/schemes/pmuy https://share.google/OyGJi060KK1yoNzMN